# शुद्धि से सिद्धि की ओर

[ जीवन में आवश्यक, आवश्यक सूत्र पर विस्तृत विवेचन ]

- श्री युगप्रभा जी म.सा.

# उदय-अभ्युदय यात्रा - आचार्य श्री विजयराज जी म.सा.

- ✦ जन्म : 17 अक्टूबर, 1958 आश्विन शुक्ला चतुर्थी, विक्रम संवत् 2015
- ✦ जन्म नाम : विजय कुमार सोनावत
- ✦ माता-पिता : श्रीमान् जतनमल जी सोनावत-श्रीमती भंवरी बाई सोनावत ( मातु श्री पीहर पक्ष-बोथरा परिवार बीकानेर )
- ✦ लौकिक शिक्षा : माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर
- ✦ भीष्म प्रतिज्ञा : ब्रह्मचर्य व्रत धारण-22 नवम्बर 1971 ब्यावर ( राज. ) मात्र 12 वर्ष की उम्र में
- ✦ वैराग्य काल : 13 माह लगभग
- ✦ दीक्षा आज्ञा पत्र : जयपुर, 9 अक्टूबर सन् 1972 आश्विन शुक्ला द्वितीया वि.सं. 2029
- ✦ दीक्षा स्थल : गंगाशहर - भीनासर, जवाहर विद्यापीठ प्रांगण
- ✦ दीक्षा वर्ष : 15 फरवरी, 1973 माघ शुक्ला त्रयोदशी वि.सं. 2029, अपने माता-पिता व लघु बहना महासती श्री प्रभावती जी म.सा. के साथ दीक्षित। बाद में भाणजी महासती श्री युगप्रभा जी म.सा. दीक्षित हुई।
- ✦ दीक्षा गुरु : समता विभूति पूज्य आचार्य श्री नानालाल जी म.सा.
- ✦ शैक्षणिक योग्यता : साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड की सारी परीक्षाएँ समुत्तीर्ण की, जैन सिद्धान्त रत्नाकर परीक्षा सर्वोच्च अंकों से समुतीर्ण की।
- ✦ भाषा ज्ञान : हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत, गुजराती, राजस्थानी
- ✦ गुरु सानिध्य : 17 वर्षों तक अन्तेःवासी शिष्य के रूप में सेवा, साधना व संघ विकास यात्रा में समर्पित रहे। गौरवशाली आचार्य नानेश के प्रमुख प्रिय शिष्यों में आप प्रथम शिष्य।
- ✦ विचरण क्षेत्र : राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, सौराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडू, पांडिचेरी, दादरानागर हवेली, छत्तीसगढ़ आदि।
- ✦ साहित्य : चारित्र निर्माण अभियान के अन्तर्गत - किं चरित्रं, सुचरित्रम्, किं पुण्यम् आदि अनेक ग्रंथों का प्रणयन।
- ✦ तरुणाचार्य घोषणा के मुख्य सूत्रधार : चतुर्विध संघ की अनुज्ञापूर्वक महास्थविर श्रमणश्रेष्ठ पूज्य श्री शान्ति मुनि जी म.सा.
- ✦ तरुणाचार्य पदारोहण : श्री हुक्मगच्छीय शान्त-क्रान्ति संघ के तरुणाचार्य पद पर प्रतिष्ठित-31 जनवरी 1999 के शुभ दिन चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर विजय स्तम्भ की छांव में फतहप्रकाश के प्रांगण में विशाल समारोहपूर्वक
- ✦ आचार्य पद प्रतिष्ठा : 27 अक्टूम्बर 1999 अजमेर कार्तिक कृष्णा तृतीया वि. सं. 2056
- ✦ व्यक्तिगत विशेषताएँ : युवा मनस्वी, कविरत्न, शरीर सम्पदा के धारक, सरलता-सहजता-समरसता की प्रतिमूर्ति, जनमानस को भक्तिरस में भाव-विभोर कर देने वाले स्वर माधुर्य के धनी, तेजस्वी, प्रतिभाशाली, प्रभावीवक्ता, दृढ़-संयमी, जीवन कल्याण के साथ जनकल्याण के अनेक आयामों के प्रणेता, पृथ्वी सम क्षमाशील संयत वर्ग की सेवा में सन्नद्ध, मन-वचन-काया के तीनों योगों की शुद्धता एवं शुभता के स्वामी, श्रमण संस्कृति के मंगलमय समन्वय हेतु समर्पित।
- ✦ चातुर्मास : बीकानेर, सरदारशहर, देशनोक, नोखामण्डी, गंगाशहर-भीनासर, जोधपुर, अजमेर, राणावास, उदयपुर, अहमदाबाद, भावनगर, मुम्बई, मुम्बई, रतलाम, इंदौर, रतलाम, कानोड़, ब्यावर, जयपुर, निम्बाहेड़ा, उज्जैन, बड़ीसादड़ी, बीकानेर, उदयपुर, मंगलवाड़ चौराहा, चित्तौड़गढ़, अजमेर, दिल्ली, दिल्ली, ब्यावर, नागौर, बीकानेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, मंदसौर, मुम्बई, हुबली, होसपेट, चेन्नई, बेंगलोर, बेंगलोर, चेन्नई, कोयम्बतूर, सिकंदराबाद।

# शुद्धि से सिद्धि की ओर

[ जीवन में आवश्यक, आवश्यक सूत्र पर विस्तृत विवेचन ]

- महासती श्री युगप्रभा जी म.सा.

# प्रतिक्रमण

अंतर दर्शन की साधना
कर्म मिटाने की अमोघ औषधि
जीवन को मांजने की कला
जीवन को सुधारने का उपक्रम
पापों की आलोचना

## प्रतिक्रमण किसके लिये?

- **भोजन** — पेट भरने के लिए
- **रात** — सोने के लिए
- **वर्षा** — बीज बोने के लिए
- **तपस्या** — कर्म खपाने के लिए
- **प्रतिक्रमण** — पाप धोने के लिए

प्रतिक्रमण

अपने किये पापों की आलोचना, पश्चाताप एवं प्रायश्चित किया जाता है, जिससे पाप का पावर कम हो जाता है।

अतः सुखद भविष्य के लिए

प्रतिक्रमण

आवश्यक
आवश्यक
आवश्यक

COPL-4897

# शुद्धि से सिद्धि की ओर


* रचनाकार : महासती श्री युगप्रभा जी म.सा.

* प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थल : श्री अ.भा.सा. शान्त-क्रान्ति जैन श्रावक संघ
नवकार भवन, 279-एच, हिरणमगरी सेक्टर नं. 3, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : 0294-2461588

* प्रथम संस्करण : सन् 2017

* प्रतियाँ : 2000

* अर्थ सहयोगी : स्व. श्रीमान् कंवरलाल जी - सम्पत बाई चोरड़िया,
श्रीमान् शान्तिलाल जी - मान बाई जी चोरड़िया,
श्रीमान् संदीप जी - शिल्पा जी चोरड़िया (पुत्र-पुत्रवधू),
रितुल जी, तनवी जी चोरड़िया (पौत्र-पौत्री),
हर्षिता जी - हेमन्त जी मेहता (पुत्री-दामाद),
रिषान्त जी, सिद्धि जी (दोहिता-दोहिती)

Address :- Engineers, Builders & Property Developers, No.-15, New Municipal Complex, Coonoor-643102, The Niligiris-0423-2230370 Mo. 09442230344, 09842240499

एवं

श्री अ.भा.सा. शान्त-क्रान्ति जैन श्रावक संघ, उदयपुर

* मूल्य : 125/-

* कम्प्यूटराइज्ड : सुदर्शन सिंह भाटी, उदयपुर ( राज. ), मो. 9251513076

* मुद्रक : चौधरी ऑफसेट प्रा.लि.,
11-12 गुरु रामदास कॉलोनी, एम.बी. कॉलेज के सामने,
उदयपुर ( राज. )-313001